


14/5/22

NOT PAID  


पत्रां आप्त लोक अदालत - कोठि कल्प - परपत्र  
वाढी वकील अदालत, वाढी वकील डार!  
डावा को नोट प्रस मे खाविष्य कये आने  
हेतु आपनी अडले प्रिये डीगदम,

हमने वाढी वकील को हुना गपत वादीप -  
लोक अदालत की वाक्या से वाढी वकील डार!  
डावा को नोट प्रस मे खाविष्य कये आने हेतु  
पत्रांपव सहम लिडी गदम, डावा, डावा वाढी -  
नोट प्रस मे खाविष्य कि आदीले पत्रां.  
कोमल शुभादि कये काबिल कपदकत.

  
अध्यक्ष

लोक अदालत  
भरतपुर

  
सचिव

लोक अदालत  
भरतपुर